Testwale Current Affairs PDF

Current Affairs search results for tag: international-news

1. [illegible] **(Aug. 17, 2022)**

[illegible] **16** [illegible]

[illegible] **-**

- [illegible], **740** [illegible]
- [illegible] **2030** [illegible]
- [illegible] 2,000 [illegible]
- [illegible] 13 [illegible]

[illegible] :

- [illegible] 2022 [illegible] **1.1** [illegible]
- [illegible] **2030** [illegible] **46** [illegible]
- [illegible] 2021 [illegible] **2030** [illegible] **55%** [illegible] **55'** [illegible]

2. [illegible] **400,000** [illegible] **(Aug. 17, 2022)**

वैश्विक प्रोत्साहन और मानवाधिकारों के संरक्षण और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकारों के समर्थन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, भारत ने चार स्वैच्छिक ट्रस्ट फंडों में 400,000 अमरीकी डालर का योगदान दिया है।

महत्वपूर्ण तथ्य -

- संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों और सिद्धांतों का पुरजोर समर्थन करता है और चार्टर के लक्ष्यों को लागू करने और संयुक्त राष्ट्र के विशेष कार्यक्रमों और एजेंसियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत का गहराता जुड़ाव बहुपक्षवाद के प्रति इसकी दृढ़ प्रतिबद्धता पर आधारित है।
- भारत का दृढ़ विश्वास है कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मानदंड, जिन्हें इसने बढ़ावा दिया है, आज भी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे प्रभावशाली साधन हैं।
- प्रमुख वैश्विक चुनौतियां हैं - गरीबी उन्मूलन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, शांति निर्माण और शांति स्थापना, आतंकवाद, निरस्त्रीकरण, मानवाधिकार, प्रवास और स्वास्थ्य और महामारी।
- साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी फ्रंटियर प्रौद्योगिकियों जैसे नए उभरते क्षेत्रों में भी संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- 2007 में, भारत लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के लिए गठित पुलिस इकाई के लिए एक महिला दल को तैनात करने वाला पहला देश बन गया।

फंड का उद्देश्य :

- यह फंड अत्याचार के शिकार, तकनीकी सहयोग, सार्वभौमिक आवधिक समीक्षा (यूपीआर) के कार्यान्वयन और कम से कम विकसित देशों (एलडीसी) / छोटे द्वीप विकासशील राज्यों (एसआईडी) की भागीदारी का समर्थन करने के लिए है।
- मानव अधिकारों का वैश्विक प्रचार और संरक्षण।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद :

- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक अंतर-सरकारी निकाय है।
- यह दुनिया भर में मानवाधिकारों के प्रसार और संरक्षण को मजबूत करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसे 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बनाया गया था।

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible], [illegible]

3. [illegible] (Aug. 16, 2022)

[illegible] 16 [illegible] -19 [illegible], [illegible]

[illegible]

- [illegible] 2020 [illegible] "[illegible]" [illegible]
- [illegible], [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible] 5 [illegible]

- [illegible] - [illegible] 2021 [illegible]
- [illegible] - 2020 [illegible]
- [illegible] - 2020 [illegible]
- [illegible] - 2020 [illegible]
- [illegible] - 2020 [illegible]

4. फ्री पीरियड उत्पाद उपलब्ध कराने वाला स्कॉटलैंड दुनिया का पहला देश बना (Aug. 16, 2022)

15 अगस्त से स्कॉटलैंड दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने फ्री पीरियड उत्पादों की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित की है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- स्कॉटिश संसद ने पीरियड प्रोडक्ट्स बिल के पक्ष में सर्वसम्मति से मतदान किया, जिसने नवंबर 2020 में सार्वजनिक भवनों में सैनिटरी उत्पादों तक मुफ्त पहुंच का कानूनी अधिकार बना दिया।
- इस कानून के बनने के बाद सामुदायिक भवन, यूथ क्लब और मेडिकल स्टोर समेत कई सार्वजनिक स्थानों में सैनिटरी नैपकिन मुफ्त मिलेंगे।
- इससे पहले भी साल 2018 में स्कॉटलैंड सरकारी स्कूलों में मुफ्त सैनिटरी उत्पाद देने वाला पहला देश बन चुका है।

नए कानून में क्या शामिल है?

- कानून के तहत, स्थानीय अधिकारियों और शिक्षा प्रदाताओं के लिए कानूनी रूप से आवश्यक है कि वे अवधि के सैनेटरी को मुफ्त में उपलब्ध कराएं, जिन्हें उनकी आवश्यकता है।
- मुफ्त उत्पादों के प्रावधान के अलावा, सरकार ने नियोक्ताओं के लिए एक शैक्षिक वेबसाइट के लिए धन उपलब्ध कराया है, स्कूलों के लिए उपलब्ध मासिक धर्म स्वास्थ्य संसाधनों में सुधार किया है, और एक सफल कलंक विरोधी अभियान लागू किया है।
- उत्पाद चाहने वाले पिकअपमाईपीरियोड मोबाइल ऐप का उपयोग करके अपने निकटतम संग्रह बिंदु का पता लगा सकते हैं, जिसे स्कॉटिश सरकार के समर्थन से सामाजिक उद्यम “हे गर्ल्स” द्वारा लॉन्च किया गया था।

स्कॉटलैंड के बारे में

- स्कॉटलैंड यूनाइटेड किंगडम का एक देश है।
- राजधानी- एडिनबरा
- मुद्रा - पाउण्ड स्टर्लिंग
- प्रधानमंत्री- निकोला स्टर्जन

5. युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार रुझान - 2022 (Aug. 16, 2022)

ग्लोबल एम्प्लॉयमेंट ट्रेंड्स फॉर यूथ 2022 रिपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा "COVID-19 महामारी से मानव-

केंद्रित पुनर्प्राप्ति" के लिए वैश्विक कॉल टू एक्शन के हिस्से के रूप में जारी किया गया है।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु

- "ग्लोबल एम्प्लोयमेंट ट्रेंड्स फॉर यूथ 2022" रिपोर्ट के अनुसार, 15-24 आयु वर्ग के युवाओं में दुर्लभ बेरोजगारी दुनिया भर में 15.6% तक पहुंच गई है। यह वयस्कों में बेरोजगारी दर का तीन गुना है।

- इस रिपोर्ट के अनुसार, बेरोजगारी युवा आबादी की संख्या 2021 में 75 मिलियन से घटकर 2022 में 73 मिलियन हो गई है। हालांकि, यह संख्या अभी भी कोविड -19 महामारी से पहले की संख्या से 6 मिलियन अधिक है।

- अफ्रीका में बेरोजगारी दर 12.7% है, जो वैश्विक औसत 14.9% से कम है। यह आंकड़ा इस बात पर प्रकाश डालता है कि, युवा लोग श्रम बाजारों से हट गए हैं।

- भारत में 18 महीने के लिए स्कूल बंद कर दिए गए। 240 मिलियन स्कूल जाने वाले बच्चों में से सिर्फ 8% ग्रामीण इलाकों में और 23% शहरी क्षेत्रों में ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच थी। नतीजतन, 92% बच्चों ने औसतन भाषा में एक मूलभूत क्षमता खो दी है। 82% बच्चों ने गणित में कम से कम एक मूलभूत क्षमता खो दी है।

- सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) के अनुसार, भारत में श्रम बल भागीदारी दर (Labour Force Participation Rate – LPR) जून 2022 में गिरकर 38.8% हो गई थी।

- नए बने गए EPF खातों में 18-21 आयु वर्ग के लोगों की हिस्सेदारी 2018-19 में 37.9% से घटकर 2021-22 में 24.1% हो गई है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के बारे में

- वर्ष 1919 में वर्साय की संधि द्वारा राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में इसकी स्थापना हुईथी।

- वर्ष 1946 में यह संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध पहली विशिष्ट एजेंसी बन गया था।

- स्थापना का उद्देश्य: वैश्विक एवं स्थायी शांति हेतु सामाजिक न्याय आवश्यक है।

- भारत ILO का संस्थापक सदस्य है और यह वर्ष 1922 से ILO के संचालन निकाय का स्थायी सदस्य है।

- भारत में ILO का पहला कार्यालय वर्ष 1928 में स्थापित किया गया था।

- मुख्यालय- जेनेवा, स्विट्जरलैंड

- महानिदेशक- गिल्बर्ट हौंगबो

6. [illegible] (Aug. 16, 2022)

[illegible] 16 [illegible]

[illegible]

- [illegible] 50.5 [illegible]
- 40 [illegible] 4.1 [illegible]
- [illegible] 9 [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- 2017 [illegible] 100 [illegible]
- [illegible] 2007 [illegible] 2017 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible] – [illegible]
- [illegible] – [illegible]
- [illegible] – [illegible]

7. [illegible] (Aug. 12, 2022)

लातविया और एस्टोनिया चीन और एक दर्जन से अधिक मध्य और पूर्वी यूरोपीय देशों के बीच एक सहयोग समूह से हट गए हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ताइवान पर बढ़ते सैन्य दबाव को लेकर चीन की पश्चिमी देशों की आलोचना के बीच यह कदम उठाया गया है।
- पिछले साल के अंत में ताइवान को एक वास्तविक दूतावास खोलने की अनुमति देने के बाद लिथुआनिया और चीन के बीच संबंध खराब हो गए।
- लातविया और एस्टोनिया ने कहा कि वे नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और मानवाधिकारों के सम्मान करने हुए चीन के साथ रचनात्मक और व्यावहारिक संबंधों की दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

चीन और मध्य और पूर्वी यूरोपीय (सीईई) 17+1 सहयोग समूह

- यह बुडापेस्ट में 2012 में स्थापित एक चीन के नेतृत्व वाला प्रारूप है।
- इसका उद्देश्य सीईई क्षेत्र के विकास के लिए निवेश और व्यापार के साथ बीजिंग और मध्य और पूर्वी यूरोपीय (सीईई) सदस्य देशों के बीच सहयोग का विस्तार करना है।
- इसका उद्देश्य सदस्य राज्यों में पुलों, मोटरमार्गों, रेलवे लाइनों और बंदरगाहों के आधुनिकीकरण जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास पर भी है।
- इसमें बारह यूरोपीय संघ के सदस्य राज्य और पांच बाल्कन राज्य शामिल हैं।
- 17+1 देशों के नाम - अल्बानिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, ग्रीस, हंगरी, लातविया, लिथुआनिया, मैसेडोनिया, मोंटेनेग्रो, पोलैंड, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवाकिया और स्लोवेनिया।

8. भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता का पांचवां दौर संपन्न (Aug. 12, 2022)

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने पिछले महीने की 29 तारीख को एफटीए के लिए पांचवें दौर की वार्ता संपन्न की।

महत्वपूर्ण तथ्य

- वार्ता के पांचवें दौर में दोनों पक्षों के तकनीकी विशेषज्ञ 15 नीतिगत क्षेत्रों पर चर्चा के लिए एक साथ आए।

- [illegible], [illegible]
- [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

- [illegible] 2022 [illegible]
- [illegible]
- [illegible], [illegible]
- [illegible] 2030 [illegible]-[illegible] 100 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]-[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] ([illegible]**) [illegible] [illegible]?**

- [illegible]-[illegible], [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

9. [illegible] **(Aug. 12, 2022)**

भारत ने यूक्रेन में **ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र** के पास गोलाबारी की खबरों पर चिंता व्यक्त की है और यह सुनिश्चित करने के लिए आपसी संयम बरतने का आह्वान किया है कि परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा और सुरक्षा खतरे में न पड़े।

महत्वपूर्ण तथ्य

- संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा, कि भारत ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास गोलाबारी की खबरों पर अपनी चिंता व्यक्त करता है।

- यह बयान तब आया जब यूक्रेन ने रूस पर 11 अगस्त को फिर से ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) पर गोलाबारी करने का आरोप लगाया।

- भारत परमाणु संयंत्रों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च महत्व देता है, क्योंकि परमाणु सुविधाओं से जुड़ी किसी भी दुर्घटना के संभावित रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

- मार्च 2022 में रूसी सेना ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया था।

- संयंत्र के संबंध में इस घटनाक्रम पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक की गई थी।

- रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन में एक "विशेष सैन्य अभियान" शुरू किया, जिसे पश्चिम ने अकारण युद्ध करार दिया।

- इसके परिणामस्वरूप, पश्चिमी देशों ने भी मास्को पर कई गंभीर प्रतिबंध लगाए हैं।

ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बारे में

- यह 1984 और 1995 के बीच बनाया गया था, यह यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है और दुनिया में छठा सबसे बड़ा है।

- यह दक्षिण-पूर्व यूक्रेन में नीपर नदी पर काखोवका जलाशय के तट पर एनरहोदर में स्थित है।

- यह विवादित डोनबास क्षेत्र से लगभग 200 किमी और कीव से 550 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

- सामान्य समय में यह यूक्रेन की कुल बिजली का पांचवां हिस्सा पैदा करता है।

दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र

1. **काशिवाज़ाकि-करीवा** - जापान - क्षमता - 7,965 मेगावाट

2. **ब्रूस न्यूक्लियर जनरेटिंग स्टेशन** - कनाडा - 6,384 मेगावाट

3. **कोरी परमाणु ऊर्जा संयंत्र** - दक्षिण कोरिया - 6,040 मेगावाट

4. [illegible] - [illegible] - 5,928 [illegible]
5. [illegible] - [illegible] - 5,875 [illegible]
6. [illegible] - [illegible] - 5,700 [illegible]

10. [illegible] (Aug. 12, 2022)

[illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible] 1988 [illegible]
- [illegible] (2022) [illegible] (2020-2021) [illegible].
- [illegible] (2019), [illegible] (2018) [illegible] (2016-2018) [illegible]
- [illegible] (2002-2003) [illegible] 1993 [illegible] 1994 [illegible] (UNFICYP) [illegible] 2007 [illegible] (UNTSO) [illegible]
- [illegible] (1997-1998) [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- UNMOGIP [illegible] 1949 [illegible]
- 1971 [illegible], UNMOGIP [illegible]
- [illegible] 44 [illegible], 10 [illegible] 25 [illegible] 47 [illegible]
- [illegible] (**[illegible]**) [illegible]
- [illegible] 1972 [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible] 1972 [illegible]
- [illegible] (**[illegible]**) [illegible], [illegible]
- [illegible]
- [illegible]